शाह टाइम्स दिल्ली समाचार
नई दिल्ली, शनिवार, 20 फरवरी 2010 7

▸ लगातार बढ़ती मंहगाई का पैकेजिंग क्षेत्र पर पड़ रहे कुप्रभाव के बारे में जानकारी देते संयुक्त कार्यकारी समिति के पदाधिकारी।

मंहगाई का असर पैकेजिंग पर भी

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। बढ़ती मंहगाई का कुप्रभाव पैकेजिंग उद्योग पर भी पड़ रहा है। इस बारे में प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए संयुक्त कार्यकारी समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि उत्तर भारत की क्राफ्ट पेपर मिल्स ने एक माह के अंदर रुपये 3000 से 4000 प्रति टन तक की विभिन्न प्रकार के पैकेजिंग पेपर पर बढ़ोतरी कर दी है। पेपर, पैकेजिंग उद्योग का मुख्य रॉ मैटिरियल है जिसके रेट बढ़ने से पैकेजिंग उद्योग बंद होने के कगार पर आ गया है। अन्य जरूरी वस्तुओं जैसे स्टार्च, स्टिचिंग वायर का मूल्य लगभग 50 प्रतिशत बढ़ चुका है। यह मिली जुली बढ़ोतरी पैकेजिंग उद्योग को बुरी तरह से प्रभावित कर रही है।

उक्त जानकारी देते हुए संयुक्त कार्यकारी समिति के संयोजक हरीश मदान ने कहा कि इस विज्ञप्ति से हम आपका ध्यान अपने उद्योग की मुश्किलों की तरफ दिलाना चाहते हैं। इस मुश्किल भरे समय में पैकेजिंग उद्योग को चलाना असंभव हो गया है। हमारी कोरोगेटिड पैकेजिंग उद्योग बड़ी पेपर मिल्स व बड़े उपभोक्ताओं के बीच में सैंडविच बनकर रह गई हैं। पंकज अग्रवाल ने इस पर और रोशनी डालते हुए बताया कि यह प्रक्रिया मिल मालिकों द्वारा पिछले चार साल से लगातार इन्हीं दिनों की जा रही है।

सार्वजनिक सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं अपने पुत्र अफजाल अहमद और उसकी पत्नी को अपनी चल-अचल संपत्तियों से बेदखल कर रही हूं। इन दोनों के साथ भविष्य में कोई भी लेन-देन करने वाले का मेरे व परिवार के अन्य सदस्यों से कोई ताल्लुक नहीं होगा-मतिन बेगम पत्नी स्व. मो. अहमद, पता-129-ए/9, गांव-वजीराबाद, दिल्ली।